B.A II Hon's Political Science

भारतीय राजनीतिक पद्धति की व्यवस्थाए एवं विशेषताएँ

Ans - भारत की राजनीति देश के संविधान के दायरे मे काम करती है। भारत एक संसदीय धर्म - निरपेक्ष लोकतांत्रिक गणराज्य है जिसमे भारत का राष्ट्रपति राज्य का प्रमुख और भारत का प्रथम नागरिक होता है। और भारत का प्रधानमंत्री सरकार का प्रमुख होता है। इसी तरह भारतीय राजनीति व्यवस्थाओ को इस तरह से हैं से कुछ विद्वानो ने परिभाषित किए है।

आलमंड एवं पावेल के अनुसार भारतीय राजनीति व्यवस्थाओ के पाँच विशेषताएँ हैं। —

i संरचनाओं की समानता

ii कार्यों की सर्वव्यापकता

iii राजनीतिक संरचना की विविधता

iv राजनीतिक संरचना का मिश्रित स्वरूप

V रितिक साधनो का असमान स्वामित्व

(i) राजनीतिक संरचनाओ की समानता — सभी राजनीतिक व्यवस्थाओ मे राजनीतिक संस्थानाएँ पायी जाती है

इन संरचनाओं की परस्पर तुलना की जा सकती है। इन संरचनाओं में अन्त केवल विशिष्टीकरण का होता है।

(i) कार्यों की सर्वव्यापकता — सभी राजनीतिक व्यवस्थाओं में समान कार्य किये जाते हैं संरचना के आधार पर, राजनीतिक व्यवस्था की तुलना करने पर हम सही परिणाम नहीं पाते। हमें संरचना की अपेक्षा कार्यों पर अधिक महत्व देना चाहिए

(ii) राजनीतिक संरचना की विविधता — सभी राजनीतिक व्यवस्थाएँ विविध कार्य करती हैं यदि हम विगत 50 वर्षों में राजनीतिशास्त्र में हुए विकासों का अवलोकन करें तो हम देखेंगे कि राजनीतिक संरचनाओं का प्रत्येक अंग केवल एक ही कार्य नहीं करता वरन् एक से अधिक कार्य करता है। यह कहा जाता है कि विधायिका कानून बनाती है, कार्यपालिका उनको लागू करती है तथा न्याय-पालिका उनकी व्याख्या करती है। परन्तु वास्तविकता यह है कि तीनों विभाग एक दूसरे के कार्यों को

करते है विधानमण्डल विधि निर्माण के साथ-साथ प्रशासनिक और न्यायिक कार्य भी करता है।

(iv) राजनीतिक संरचनाओं का मिश्रित स्वरूप — कोई भी राजनीतिक व्यवस्था विशुद्ध ही होती है। समस्त राजनीतिक व्यवस्थाएँ मिश्रित व्यवस्थाएँ हैं। राजनीतिक व्यवस्था परम्परागत तथा आधुनिक दोनों प्रकार के विचारों और संस्थाओं का रूप होती है।

(v) राजनीतिक साधनों का असमान स्वामित्व — प्रत्येक व्यवस्था में राजनीतिक साधनों का असमान वितरण होता है राजनीतिक साधनों से हमारा अभिप्राय उन साधनों से है जिनके द्वारा एक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति के आचरण को प्रभावित करता है। इस प्रकार राजनीतिक साधनों के अन्तर्गत धन, भोजन सूचनाएँ, बल प्रयोग की धमकी आदि शामिल किये जा सकते हैं।

Dr. Khushboo
Department — Pol. Sc.